THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) and (b) The Government is aware of the news report in the "Deccan Chronicle" dated 26th June 1997. However, the report as such is highly exaggerated and is not based on fectual position. Intensive senior level Special checks were made immediately after publication of the report. These were in addition to the regular checks being conducted to prevent such absenteeism. Action has been taken against those employees who were found absent during these checks.

Use of Wooden Sleepers

2009. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state;

(a) whether Government are considering a proposal to change the Railways' policy of using wooden sleepers for meeting only ten percent of its needs and also the system of buying timber solely from the public sector; and

(b) if so, the details thereof and reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

World Bank assistance for Mumbai Urban Transport Project

2010. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) when the proposal to finance to second Phase of Mumbai Urban Transport Project was submitted to the World Bank by the Railway Ministry;

(b) the details about the financial assistance sought from World Bank and time-schedule of the project;

(c) whether the World Bank agreed to finance the project; and

(d) if so, what is the present status; and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) No such proposal has been sent to the World Bank so far.

(b) to (d) Do not arise.

हिसार और चंडीगढ़ के बीच रेल लाइन

2011. श्री रामजीलाल: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले बजट सत्र के समय सरकार के ध्यान में यह बात लाई गई थी कि हिसार (हरियाणा) में चंडीगढ़ के लिए सीधी रेल लाइन नहीं है जिसके कारण वहां के लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त व्यवस्था होने तक एकता एक्सप्रेस (कालका-भिवानी) को हिसार तक बढ़ाकर और उसके समय में मामूली फेरबदल करके लोकोपयोगी बनाने का प्रयास किया है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) जी हां;

(ख) जाखल/नरवाना से पटियाला तक नई लाईन के लिए सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है। सर्वेक्षण रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर इस परियोजना पर आगे विचार करना संभव होगा।

(ग) से (ङ) एकता एक्सप्रेस को हिसार तक बढ़ाने और समय में परिवर्तन करने की व्यवहार्यता की जांच की गई थी लेकिन अनुरक्षण तंगियों सहित परिचालनिक कठिनाइयों के कारण इसे व्यवहारिक नहीं पाया गया।

उत्तर प्रदेश में नये रेलमार्ग बनाने के लिए कार्य-योजना

2012. श्री राजनाथ सिंह: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में नये रेल-मार्गों का निर्माण करने के लिए कोई कार्य-योजना बनाई है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार मुरादाबाद-रामनगर रेल लाइन को मोहान औद्योगिक क्षेत्र तक बढ़ाने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि इस लाइन को मोहान तक जोड़ने से नेशनल कोर्बेट पार्क के लिए पर्यटकों को रेल सुविधा मिल पायेगी?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) देश के किसी भी हिस्से में नई लाइनों के निर्माण के लिए ऐसी कोई कार्य योजना नहीं है;

(ख) जी नहीं, संसाधनों की तंगी के कारण फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है;

(ग) जी हां;

रेल दुर्घटनायें

2013. **श्री रामदेव भंडारी**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन महीने के दौरान देश में हुई रेल दुर्घटनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) विभिन्न दुर्घटनाओं में मृतक और घायल व्यक्तियों की संख्या कितनी-कितनी है;

(ग) इन दुर्घनाओं के क्या कारण हैं और इस संबंध में की गयी कार्रवाई का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्या व्यवस्थाएं की जा रही हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) मई से जुलाई 1997 के दौरान 119 दुर्घटनाएं हुई थीं जिसमें गाड़ियों को टक्कर संबंधी 7 गाड़ियों के पटरी से उतरने संबंधी 92 समपार पर दुर्घटना संबंधी 18 और गाड़ियों में आग लगने संबंधी 2 शामिल हैं।

(ख) इन दुर्घटनाओं में 52 व्यक्ति हताहत और 284 व्यक्ति जख्मी हुए थे।

(ग) और (घ) ये दुर्घनाएं मानवीय चूक, उपस्कर की खराबी, तोड़ फोड़ और आकस्मिक कारणों से हुई हैं। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए किए जा रहे कुछ उपाय निम्नानुसार हैं:—

(i) ट्रंक मार्गों और अन्य महत्वपूर्ण मुख्य लाइनों पर रेलपथ परिपथन के कार्य में तेजी लाई गई है।

(ii) दुर्घटना में मानवीय चूक के कारणों को न्यूनतम करने के लिए सिगनल सरकिटरी में आशोधन किया जा रहा है।

(iii) बम्बई उपनगरीय खंडों पर चलती गाड़ी के ड्राइवर को "खतरे के सिगनल" की अग्रिम चेतावनी देने के लिए सहायक चेतावनी प्रणाली शुरू की गई है।

(iv) रेलपथ अनुरक्षण के लिए टाई-टैम्पिंग और गिट्टी क्लिनिंग मशीनों के उपयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि की गई है।

(v) रेलपथ ज्यामिति और रेलपथ की चालन विशिष्टताओं पर निगरानी रखने के लिए परिष्कृत रेलपथ अभिलेखी कारों, दोलन-लेखी कारों सुवाह्य एक्सेलेरोमीटरों का उत्तरोत्तर उपयोग किया जा रहा है।

(vi) कई डिपुओं में सवारी डिब्बों और मालडिब्बों के लिए अनुरक्षण सुविधाओं को आधुनिक बनाया गया है और अपग्रेडेशन किया गया है।

(vii) धुरों के कोल्ड ब्रेकेज के मामलों की रोकथाम के लिए धुरों में पड़ने वाली दरारों का पता लगाने के लिए नेमे ओवरहाल डिपुओं में पराश्रव्य परीक्षण उपस्कर लगाए गए हैं।

(viii) चौकीदार रहित समपारों पर सीटी बोर्डों/गति अवरोधकों और सड़क संकेतों की व्यवस्था की गई है और ड्राइवरों के लिए दृश्यता में सुधार किया गया है।

(ix) किस तरह से समपार सुरक्षित ढंग से पार किया जाए इसके लिए सड़क उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करने के लिए आडियो विजुअल प्रचार-प्रसार अभियान लाए जाते हैं।

(x) यात्री गाड़ियों में ज्वलनशील और विस्फोटक सामग्री ले जाने से रोकने के लिए उपाय किए गए हैं।

(xi) ड्राइवरों के प्रशिक्षण में सिमुलेटरों के उपयोग सहित ड्राइवरों, गार्डों और गाड़ी परिचालन से संबंधित कर्मचारियों की प्रशिक्षण सुविधाओं को आधुनिक बनाया गया है।